Tender Heart High School, Sector-33-B, Chandigarh.

कक्षा - दसवीं
विषय - हिन्दी व्याकरण शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : सरस हिन्दी व्याकरण भाग-नौ, दस

उपविषय : 'काल'

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम कक्षा दसवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्य पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौ एवं दस की प्रष्ठ संख्या 287 पर दिए 'काल' पर चर्चा करेंगे।

बच्चो! 'काल' की परिभाषा आपको ज्ञात ही होगी, लेकिन एक बार फिर हम इसे विस्तार से जानेंगे।
परिभाषा - क्रिया के जिस रूप से उसके होने के समय का बोध हो, उसे काल कहते हैं। जैसे :-
1. मोहन बीमार है। 2. मोहन बीमार था। 3. मोहन घर जाएगा।
उपर्युक्त वाक्यों में 'है' से वर्तमान काल का, 'था' से बीते समय अर्थात् भूतकाल का, तथा 'जाएगा' से आने वाले समय अर्थात् भविष्यत् काल का बोध होता है। इस प्रकार काल के तीन भेद हैं :-
1. वर्तमान काल 2. भूतकाल 3. भविष्यत् काल।
आइए, अब इन्हें विस्तारपूर्वक जान लेते हैं।
1. वर्तमान काल - क्रिया का वह रूप जिससे उसके वर्तमान समय में होने का बोध होता है, उसे वर्तमान काल कहा जाता है। जैसे :-

1. किसान खेतों में हल चला रहा है।
2. सीमा पकौड़े तलती है।
3. हलवाई दूध से रबड़ी उतारता है।

वर्तमान काल के भेद :-

वर्तमान काल के तीन भेद हैं :-

(क) सामान्य वर्तमान काल (ख) अपूर्ण वर्तमान काल

(ग) संदिग्ध वर्तमान काल

(क) सामान्य वर्तमान काल -

वर्तमान काल में सामान्य रूप से होने वाली क्रियाओं को सामान्य वर्तमान काल की क्रियाएँ कहा जाता है जैसे :-

1. बंदर नाचता है।
2. पुजारी मंदिर में पूजा कराते हैं।

(ख) अपूर्ण वर्तमान काल -

'अपूर्ण' का अर्थ है अधूरा। क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि कार्य अभी चल रहा है, यह पूरा नहीं हुआ है। उन्हें अपूर्ण वर्तमान काल कहा जाता है। जैसे :-

1. बच्चा पालने में सो रहा है।
2. कमला सितार बजा रही है।

(ग) संदिग्ध वर्तमान काल -

क्रिया के जिस रूप से उसके वर्तमान काल में होने में संदेह पाया जाए, उसे संदिग्ध वर्तमान काल कहते हैं। जैसे :-

1. गीता अब सो रही होगी।
2. कस्तूरी लाल लस्सी पीता होगा।

2. भूतकाल - क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि कार्य बीते हुए समय में हुआ है। उसे भूतकाल कहते हैं। जैसे :-

1. गाड़ी जयपुर पहुँच गई।

2. गोपाल ने पुस्तक पढ़ी।
3. मैंने पत्र लिखा।

भूतकाल के भेद :-

भूतकाल के छह भेद होते हैं :-

(क) सामान्य भूतकाल (ख) आसन्न भूतकाल (ग) पूर्ण भूतकाल (घ) अपूर्ण भूतकाल (ङ) संदिग्ध भूतकाल (च) हेतुहेतुमद भूतकाल

(क) सामान्य भूतकाल -

क्रिया के जिस रूप से साधारणतः काम के बीते हुए समय में होना पाया जाए, उसे सामान्य भूतकाल कहा जाता है

जैसे :- 1. हम मुंबई गए।
2. राम स्कूल गया

(ख) आसन्न भूतकाल -

'आसन्न' का अर्थ है निकट। क्रिया के इस रूप से यह ज्ञात होता है कि कार्य भूतकाल में आरंभ होकर अभी-अभी समाप्त हुआ है। जैसे :-

1. सिपाही ने चोर को पकड़ लिया है।
2. मैंने खाना खा लिया है।

(ग) पूर्ण भूतकाल -

क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि कार्य भूतकाल में ही पूरा हो गया था, उसे पूर्ण भूतकाल कहते हैं।

जैसे :- 1. हम विद्यालय गए थे।
2. मनोज ने पत्र लिखा था।

(घ) अपूर्ण भूतकाल -

क्रिया के जिस रूप से यह पता चलता है कि कार्य भूतकाल में चल रहा था किंतु यह पता नहीं चलता कि कार्य समाप्त हुआ या नहीं, अपूर्ण भूतकाल कहलाता है।

जैसे :- 1. बालक खेल रहे थे।
2. मनीषा कपड़े धो रही थी।

(ङ) संदिग्ध भूतकाल - 'संदिग्ध' का अर्थ है संदेहपूर्ण। क्रिया के जिस रूप से उसके भूतकाल में पूरा होने के बारे में संदेह बना रहता है, उसे संदिग्ध भूतकाल कहा जाता है जैसे :- 1. उसने गीत गाया होगा।
2. गाड़ी चली गई होगी।

(च) हेतुहेतुमद् भूतकाल - 'हेतु' का अर्थ है कारण। इससे यह ज्ञात होता है कि भूतकाल में होने वाली क्रिया किसी कारण से न हो सकी, उसे हेतुहेतुमद् भूतकाल कहते हैं। जैसे :-
1. मामी जी होतीं तो चॉकलेट ले देतीं।
2. यदि तुम परिश्रम करते, तो पास हो जाते।

3. भविष्यत् काल
क्रिया का वह रूप जिससे उसके भविष्य में होने का बोध होता है, उसे भविष्यत् काल कहते हैं। जैसे :-
1. कमला नाचेगी।
2. सुषमा, अनिता के साथ दिल्ली जाएगी।

भविष्य काल के भेद :-
(क) सामान्य भविष्यत् काल (ख) संभाव्य भविष्यत् काल
(ग) हेतुहेतुमद् भविष्यत् काल।

(क) सामान्य भविष्यत् काल
क्रिया का वह रूप जिससे यह मालूम होता हो कि कार्य आने वाले समय में होगा। जैसे :-
1. वह जालंधर जाएगा।
2. शाम को हम बाग में खेलेंगे।

(ख) संभाव्य भविष्यत् काल -
क्रिया के जिस रूप से आने वाले समय में क्रिया के होने की संभावना प्रकट हो, उसे संभाव्य भविष्यत् काल कहते हैं। जैसे :-

1. शायद आज रात वर्षा हो।
2. संभव है सचिन पास हो जाए।

(ङ) हेतुहेतुमद् भविष्यत् काल -

क्रिया के जिस रूप से यह स्पष्ट हो कि भविष्य में होने वाली क्रिया किसी अन्य क्रिया पर आश्रित है, हेतुहेतुमद् भविष्यत् काल कहा जाता है। जैसे :-

1. यदि तुम आओगे, तो मैं चलूँगा।
2. यदि शत्रु हमला करेगा, तो मुँह की खाएगा।

बच्चो! आशा है कि आप काल एवं काल के भेदों को जान गए होंगे। इस कार्य को आप पुनः पढ़ेंगे व पूर्णतः से समझने का प्रयास करेंगे।

गृहकार्य

सभी छात्र अपनी-अपनी पुस्तक की पृष्ठ संख्या 281 पर दिए अभ्यास का प्रश्न 'निर्देशानुसार उत्तर दीजिए' को समझकर पाठ की सहायता से स्वयं करने का प्रयास करेंगे।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]